एक नजर में

लोक अदालत प्रेम और भाईचारे के संदेश का सशक्त मंच

इंदौर. तहसील विधिक सेवा समिति देपालपुर के तत्वावधान में आयोजित नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ शनिवार को गरिमामय वातावरण में हुआ. लोक अदालत के माध्यम से वर्षों से लंबित प्रकरणों का सौहार्दपूर्ण निराकरण कर न्याय को सरल, त्वरित और मानवीय स्वरूप प्रदान किया गया. इस अवसर पर एक मार्मिक घटना ने सभी को भावुक कर दिया, जब पारिवारिक कारणों से पिछले पाँच-छह वर्षों से अलग-अलग रह रहे एक बुजुर्ग दंपत्ति के बीच समझौता कराया गया और दोनों को पुनः सम्मानपूर्वक साथ-साथ अपने घर विदा किया गया. कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने नेशनल लोक अदालत के महत्व और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोक अदालत केवल मुकदमों के निराकरण का मंच नहीं, बल्कि समाज में आपसी विश्वास, प्रेम और सौहार्द को मजबूत करने का माध्यम है. लोक अदालत का मूल उद्देश्य यह है कि लोग आपसी संवाद और समझदारी से अपने विवादों का समाधान करें, जिससे समय, धन और रिश्तों, तीनों की रक्षा हो सके. इस अवसर पर सीनियर सिविल जज रिजवाना कौसर, न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्या श्रीवास्तव, एडीपीओ विक्रम राव बेन, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अंतर सिंह मौर्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र पटेल ने भी पक्षकारों से लोक अदालत का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की. नेशनल लोक अदालत में न्यायालय के कुल 53 प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण कर लगभग 1 करोड़ 70 लाख 57 हजार रुपये से अधिक का अवार्ड पारित किया गया. इसके अतिरिक्त विभिन्न बैंकों के 144 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में लगभग 36 लाख 88 हजार रुपये की वसूली तथा नगर परिषद के प्रकरणों में लगभग 4 लाख 90 हजार रुपये की वसूली की गई. इस अवसर पर अधिवक्ता पवन जोशी, चिंतामन बाथम, विपिन धाकड़, गणेश राठौर, सचिन बैरागी, कैलाश चौधरी, चंद्रेश यादव, युवराज नागर, मालती जोशी, दुलेन्द्र जैन, विद्या सोलंकी सहित न्यायालयीन कर्मचारी, विभिन्न बैंकों एवं नगर परिषद के अधिकारी तथा अनेक पक्षकार उपस्थित रहे. संचालन अधिवक्ता चेतन हार्डिया ने किया. आभार नायब नाजिर दिलीप यादव ने माना.

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोगों में लोक अदालत

इंदौर. जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग, इंदौर क्रं.2 के अध्यक्ष विकास राय द्वारा बताया गया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च शनिवार को किया गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार नेशनल लोक अदालत में मुख्य जिला उपभोक्ता आयोग क्रमांक-2 में 44, सम्बद्ध जिला आयोग इंदौर क्रमांक-1 में 30 एवं जिला आयोग मण्डलेश्वर में 17 इस प्रकार कुल 91 प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामे के आधार पर किया गया. जिनमें कुल एक करोड़ 22 लाख 11 हजार 137 रुपये की राशि के अवॉर्ड पारित किये गये.

येलकोट-येलकोट जय मल्हार से गूंजता रहा उषा नगर

इंदौर. शहर के 200 से अधिक साईं मंदिरो से जुड़े श्रद्धालुओं ने शनिवार को सुबह उषा नगर स्थित गजासीन शनि मंदिर एवं समूचे उषा नगर क्षेत्र में साईं बाबा की पालकी यात्रा एवं प्रभात फेरी निकालकर समूचे क्षेत्र को साईंमय एवं भक्तिमय बनाए रखा. शनि मंदिर के पास साईं भक्त मधुकर-आशा बुधे के निवास से प्रारंभ हुई पालकी यात्रा और प्रभात फेरी का कारवां जहाँ-जहाँ से गुजरा, साईं भक्तों ने पुष्प वर्षा कर पालकी का पूजन किया, आरती उतारी और साईं भक्तों को प्रसाद वितरण भी किया. महाराष्ट्रियन समाज की महिलाओं ने फुगड़ी खेलकर अपने आराध्य बाबा की अगवानी की और येलकोट-येलकोट जय मल्हार के उद्घोष से पूरे क्षेत्र को गुंजायमान बनाए रखा. श्री केन्द्रीय सांई सेवा समिति के अध्यक्ष गौतम पाठक, प्रदीप यादव, मधुकर बुधे एवं समीर जोशी ने बताया कि पिछले 11 दिनों से चल रहा बाबा की पालकी यात्रा और प्रभात फेरी का यह कारवां दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है. शनिवार को उषा नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों परिवारों ने पूरी रात जागकर अपने-अपने घर-आंगन, गलियों और सड़कों को रंगोली, दीपों, फूलों एवं विद्युत छटा से सजाकर रखा. जैसे ही सुबह बाबा की पालकी शनि मंदिर के पास पहुंची रहवासियों का हुजूम उमड़ पड़ा. यहाँ पालकी पूजन एवं आरती में महामंडलेश्वर दादू महाराज के सानिध्य में आलोक खादीवाला, चंदू कुंजीर, प्रतीक पराड़कर, मोहन पहलवान, संजय शर्मा, ज्ञानेश्वर होल्कर, दशरथ वालेकर, राजेंद्र वडनेरे, सुनील वालेकर, संजय घामोरे, नरेन्द्र होल्कर, मनीष वालेकर, पंकज केदारे, संतोष भुसारी सहित सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया. केन्द्रीय समिति की ओर से सभी रहवासियों को दीपक वालेकर, धीरज गोयल, लक्की वर्मा, सुनील खंडागले, राजीव सूरी, दिलीप ठाकुर, रिंकू गौर, प्रतीक आमेरिया, विनय यादव आदि ने 26 मार्च को राम नवमी पर साईं भक्त ब्रह्मलीन विनिता पाठक की स्मृति में बड़ा गणपति से छत्रीबाग साईं मंदिर तक निकलने वाली साईंराम यात्रा का न्योता दिया. मातृशक्ति की ओर से लतिका चंद्रातेरे ने सभी महिलाओं की अगवानी की. प्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ.

उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रेरणा सक्सेना सम्मानित

इंदौर. इंटरनेशनल वूमंस डे के अवसर पर संस्था मशवरा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कला, साहित्य, समाज सेवा एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 25 नारी शक्तियों को निर्मला पाठक पुरस्कार से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का आयोजन इंदौर दीवा के अंतर्गत किया गया. इन्हीं में से एक नारी शक्ति, जिन्होंने अपने ज्ञान और अनुभव के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक मार्गदर्शन देने का कार्य किया है, ऐसी प्रतिभाशाली न्यूमरोलॉजिस्ट, एस्ट्रोलॉजर प्रेरणा सक्सेना को भी इस सम्मान से सम्मानित किया गया. प्रेरणा सक्सेना का मानना है कि अंक ज्योतिष और आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है. उनके द्वारा दिए गए उपाय और सलाह लोगों के जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास लाने का कार्य कर रहे हैं. समाज में उनके योगदान और आध्यात्मिक सेवाओं को देखते हुए उन्हें इस सम्मान से नवाज़ा गया.

विंध्यवासिनी मंदिर के स्थापना दिवस पर अनुष्ठान कल

इंदौर. देवास नाका, निरंजनपुर रोड स्कीम 114 स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर, मां जगवंती देवी धाम का 15वां स्थापना दिवस सोमवार 16 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा. मंदिर के प्रमुख पं. शिवनारायण पाठक ने बताया कि सोमवार को माँ विंध्यवासिनी देवी के प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में समूचे मंदिर परिसर पर आकर्षक विद्युत एवं पुष्प सज्जा की जाएगी तथा शाम 7 बजे से आम भक्तों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन भी होगा. मंदिर पर भक्तों की मनोकामना पूर्ति के लिए पं. पाठक के निर्देशन में यज्ञ-हवन भी होंगे. भक्तों की सुविधा के लिए अभिषेक एवं पूजा-अर्चना के विशेष प्रबंध किए गए हैं. मंदिर परिसर स्थित विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिरों पर भी इस दौरान विशेष अनुष्ठान होंगे.

ट्रैफिक अव्यवस्था से मालवा मिल चौराहे पर जाम

वाहन चालकों द्वारा नियमों का पालन ही दिला सकता है ऐसी समस्याओं से राहत

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में ट्रैफिक की समस्या अब लगभग स्थायी रूप लेती जा रही है. ट्रैफिक पुलिस के प्रयासों के बावजूद कई वाहन चालक नियमों का पालन नहीं करते, जिसके कारण आए दिन शहर के प्रमुख चौराहों पर जाम की स्थिति बन जाती है.

शनिवार शाम करीब 8 बजे मालवा मिल चौराहे पर भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली. वाहन चालकों द्वारा जल्दबाजी में बिना नियमों का पालन किए चौराहे को क्रॉस करने की होड़ लग गई. चारों दिशाओं से वाहन एक साथ चौराहे पर आ जाने के कारण कुछ ही मिनटों में भारी ट्रैफिक जाम लग गया. जाम के कारण चौराहे से गुजरने वाला ट्रैफिक चारों ओर से प्रभावित हुआ और बड़ी संख्या में लोग लंबे समय तक जाम में फंसे रहे. स्थिति को और गंभीर बनाने वाली बात यह रही कि जाम लगने के समय चौराहे पर कोई ट्रैफिक जवान मौजूद नहीं था. ट्रैफिक जवान की अनुपस्थिति में वाहन चालक अपनी मर्जी से निकलने की कोशिश करते रहे, जिससे जाम और बढ़ता गया. यदि मौके पर ट्रैफिक पुलिस मौजूद होती तो संभवतः स्थिति को जल्दी नियंत्रित किया जा सकता था.

इंदौर में सुपर स्पेशलिटी सेवाओं की नई तैयारी

सस्ती सायंकालीन ओपीडी से मिलेगा बेहतर इलाज

नव भारत न्यूज

इंदौर. मध्यप्रदेश शासन ने वर्ष 2018 में प्रदेश में आधुनिक और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया था. इसके तहत इंदौर, जबलपुर, रीवा और ग्वालियर में चार सुपर स्पेशलिटी चिकित्सालय स्थापित किए गए हैं.

साथ ही इन शहरों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी विकसित किए गए हैं, जिनमें जबलपुर में पल्मोनरी मेडिसिन, ग्वालियर में न्यूरोलॉजी और इंदौर में नेत्र रोगों के उपचार की विशेष व्यवस्था की गई है. एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया के अनुसार सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए कई नई व्यवस्थाएं लागू की गई हैं. डॉक्टरों को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज तय किया गया है, जिसमें असिस्टेंट प्रोफेसर को 1.5 लाख, एसोसिएट प्रोफेसर को 2.5 लाख और प्रोफेसर को 3 लाख रुपये प्रतिमाह वेतन निर्धारित किया गया है. साथ ही प्रतिवर्ष 8 प्रतिशत की कंपाउंडिंग दर से वेतन वृद्धि का प्रावधान भी रखा गया है.

इंसेंटिव देने की व्यवस्था

सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों को प्रोत्साहित करने के लिए इंटरवेंशन और ऑपरेशन से प्राप्त राजस्व का 20 प्रश तथा सायंकालीन पेड ओपीडी से होने वाली आय का 50 प्रश तक इंसेंटिव देने की व्यवस्था की गई है. डॉक्टरों के लिए निजी प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और उनका क्लीनिकल समय सुबह 9 से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है. शाम 5.30 से 6.30 बजे तक इवनिंग राउंड और 6.30 से 8.30 बजे तक सायंकालीन पेड ओपीडी का समय तय किया गया है.

मरीजों को राहत मिलेगी

सायंकालीन पेड ओपीडी का उद्देश्य उन मरीजों को सस्ती और बेहतर सुपर स्पेशलिटी सेवाएं उपलब्ध कराना है, जो निजी अस्पतालों में महंगा इलाज करवा रहे हैं. जहां निजी अस्पतालों में सुपर स्पेशलिस्ट ओपीडी की फीस 1000 से 3000 रुपये तक होती है, वहीं एमजीएम सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में यह सेवा केवल 600 रुपये में उपलब्ध होगी. इससे न केवल मरीजों को राहत मिलेगी, बल्कि इंदौर में मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है.

नेशनल लोक अदालत : निगम को 45 करोड़ से ज्यादा राजस्व आय

महापौर, आयुक्त और प्रभारी ने किया विभिन्न झोन का निरीक्षण

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज साल के पहली लोक अदालत में नगद निगम को करदाताओं ने 45 करोड़ से ज्याद राशि जमा करवाई. लोक अदालत में करदाताओं को संपत्ति कर और जल कर में नगर निगम ने सौ प्रतिशत तक की छूट दी है. नगर निगम के काउंटर रात 12 बाज़ तक खुले रहेंगे, इसलिए राजस्व आय 50 से 60 करोड़ रुपए के आंकड़े को छू सकती है.

नगर निगम ने आज अपने सभी झोनल कार्यालय, मुख्यालय और रजिस्ट्रार ऑफिस में लोक अदालत के तहत राजस्व शिविर लगाए थे. शिविर में रात 9 बजे तक नगर निगम को करदाताओं ने छूट का लाभ लेते हुए 45 करोड़ रुपए से ज्यादा कर जमा करा दिया था. हालांकि यह आंकड़ा और बढ़ेगा, क्योंकि नगर निगम के सभी काउंटर देर रात 12 बजे तक खुले रहेंगे. ध्यान रहे कि लोक अदालत में शासन नगर निगम के संपत्ति और जलकर में करदाताओं को

सरचार्ज में 100 प्रतिशत तक की छूट दी जाती है. यही कारण है कि नगर निगम के महापौर, आयुक्त ऑफ राजस्व प्रभारी लोक अदालत का लाभ उठाने के लिए करदाताओं से अपील करते है और झोन कार्यालय पर खाताधारकों और करदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था की जाती है.

नेशनल लोक अदालत को लेकर निगम ने की थी विशेष तैयारियां

नेशनल लोक अदालत को लेकर निगम ने विशेष तैयारियां की थी. इसी के चलते महापौर पुष्यमित्र भार्गव और राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने दिनभर कई झोन कार्यालय का निरीक्षण किया. करदाताओं से जानकारी ली और पूछा कि कोई समस्या तो नहीं है? करदाताओं ने कहा कि कोई समस्या नहीं है. निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने भी निगम एक विभिन्न झोनल कार्यालय का निरीक्षण किया और करदाताओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली. साथ ही राजस्व अधिकारियों से कीटन्ज पैसा आया की भी जानकारी और कितना आने की संभावना पद चर्चा की.

गैस किल्लत और कालाबाजारी से देश प्रदेश में आर्थिक संकट गहराया : वर्मा

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज रसोई गैस की किल्लत, कालाबाजारी और औद्योगिक उत्पादन से आर्थिक संकट गहरा गया है. केंद्र सरकार के बार-बार स्पष्टीकरणों के बावजूद जमीनी हकीकत यह है कि देश और प्रदेश में रसोई गैस की भारी किल्लत और कालाबाजारी हो रही है. स्थित यह है कि विजयपुर राधौगढ़ के नेशनल फार्टिलाइजर में गैस अभाव के कारण यूरिया उत्पादन बाधित हो रहा है.

यह बात पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा ने कही. गैस को लेकर वर्मा ने कहा कि भाजपा सरकारें दावा कुछ ओर कर रही, लेकिन हकीकत में जनता परेशान है. उन्होंने कहा कि देश के कई हिस्सों में स्थिति चिंताजनक हैं. दिल्ली हाई कोर्ट की कैंटीन में भोजन व्यवस्था बंद करना पड़ी है, अयोध्या में निःशुल्क भोजन कराने वाली राम रसोई बंद हो गई है. उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारों में खड़े लोगों की मौत तक की खबरें सामने आ रही है. प्रदेश में 70

प्रतिशत होटल-रेस्तरां बंद होने की कगार पर है. व्यावसायिक गैस सिलेंडर 5,000 रुपए में बेचे जा रहे हैं, जो खुलेआम कालाबाजारी का प्रमाण है. पूर्व मंत्री वर्मा ने कहा कि गुना के विजयपुर (राघौगढ़) के नेशनल फर्टिलाइजर्स संयंत्र भी गैस की कमी से यूरिया उत्पादन बाधित हो गया है. गैस संकट के कारण असर पेट्रोकेमिकल, सिरेमिक, उर्वरक, बिजली उत्पादन सहित आवश्यक वस्तुओं की कमी होगी और वस्तुओ की कीमत बढ़ेगी. सज्जन वर्मा के साथ कांग्रेस नेता राजेश चौकसे, गिरधर नागर, अमित चौरसिया ने मुख्यमंत्री से मांग की कि प्रदेश में उत्पन्न गैस संकट को राष्ट्रीय आपदा की तरह गंभीरता से तत्काल आपात व्यवस्था लागू की जाए. जनता को इस संकट से राहत मिल सके.

अब सड़क हादसों में घायलों को मिलेगा तुरंत इलाज

पीएम राहत योजना को लेकर अस्पताल संचालकों की बैठक

इंदौर. सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई पीएम राहत योजना को प्रभावी बनाने के लिए शहर में सरकारी और निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई. कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक में करीब 107 अस्पताल प्रतिनिधियों को योजना की प्रक्रिया, पात्रता और क्रियान्वयन की जानकारी दी गई. योजना के तहत दुर्घटना पीड़ितों को सात दिन तक डेढ़ लाख रुपए तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाएगा.

सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय में शनिवार दोपहर पीएम राहत योजना के संचालन और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उन्मुखीकरण बैठक आयोजित की गई थी. बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर शिवम वर्मा ने की, जबकि आयुष्मान योजना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट विशेष रूप से मौजूद रहे. इस दौरान कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल में भर्ती कर उपचार उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है. इस योजना का उद्देश्य यही है कि दुर्घटना में घायल हर व्यक्ति को जीवन रक्षक उपचार मिल सके. उन्होंने निजी और सरकारी अस्पतालों से योजना को गंभीरता से समझने और अधिक से अधिक अस्पतालों को इससे जोड़ने की अपील की.

वहीं आयुष्मान योजना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 20 फरवरी से इस योजना का संचालन शुरू किया जा चुकी है. इसके तहत सड़क दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को दुर्घटना की तारीख से सात दिन के भीतर अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाएगा. उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत अब तक 200 से अधिक दुर्घटना पीड़ितों को लाभ दिया जा चुका है, जिनमें से 24 मामलों में इंदौर के मरीज शामिल हैं.

हादसे के पीड़ित के इलाज में अस्पताल की कोताही की अनुमति नहीं

डॉ. भरसट ने यह भी बताया कि दुर्घटना के बाद पहला एक घंटा सबसे महत्वपूर्ण होता है, जिसे 'गोल्डन ऑवर' कहा जाता है. इस दौरान यदि पीड़ित को उचित इलाज मिल जाए तो उसकी जान बचने की संभावना अधिक रहती है. इसलिए किसी भी अस्पताल को दुर्घटना पीड़ित को उपचार देने से मना करने की अनुमति नहीं होगी. यह योजना विदेशी नागरिकों पर भी लागू होगी, यदि वे भारत में सड़क दुर्घटना का शिकार होते हैं. योजना के तहत दुर्घटना के 24 घंटे के भीतर पीड़ित के अस्पताल पहुंचने पर ही उसे लाभ मिल सकेगा. पात्रता का सत्यापन पुलिस द्वारा ई-डीएआर प्रणाली और अस्पतालों के टीएमएस पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा. इस दौरान गैर-नामित अस्पतालों में भी दुर्घटना पीड़ित को प्राथमिक स्थिरीकरण उपचार देना अनिवार्य रहेगा.

समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना जरूरी

वर्ल्ड किडनी डे के उपलक्ष्य में पेशेंट और डोनर मीट का आयोजन

इंदौर. वर्ल्ड किडनी डे 2026 के अवसर पर किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अंगदान के महत्व को समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष पेशेंट एवं डोनर मीट का आयोजन किया गया. इसमें सफल किडनी प्रत्यारोपण कराने वाले मरीजों और उनके डोनर्स ने भाग लिया. इस अवसर पर शैल्बी हॉस्पिटल की रीनल ट्रांसप्लांट टीम ने किडनी से जुड़ी बीमारियों, उनके उपचार और ट्रांसप्लांट की आधुनिक तकनीकों पर प्रकाश डाला.

कार्यक्रम में सीनियर किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन एवं यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत नाज़ा जैन ने कहा कि किडनी ट्रांसप्लांट उन मरीजों के लिए जीवन की नई उम्मीद है जिनकी किडनी पूरी तरह काम करना बंद कर देती है. समय पर जांच, सही उपचार और अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाकर कई लोगों को नया जीवन दिया जा सकता है. सीनियर नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. अनीता चौकसे ने कहा कि ब्लड प्रेशर और शुगर को नियंत्रित रखना किडनी की सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. राहुल शुक्ला ने कहा कि आज की संतुलित आहार, पर्याप्त पानी का सेवन और नियमित व्यायाम जैसी अच्छी आदतें अपनाकर किडनी से जुड़ी कई बीमारियों से बचाव किया जा सकता है. नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. मोहित नरेडी ने कहा कि किडनी की बीमारी से बचाव के लिए समय-समय पर जांच कराना बेहद आवश्यक है. यूरोलॉजिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. शशांक चौरसिया ने कहा कि अंगदान वास्तव में जीवनदान है. किडनी ट्रांसप्लांट के माध्यम से कई मरीजों को नया जीवन मिल सकता है. समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना जरूरी है ताकि ज्यादा से ज्यादा मरीजों को समय पर उपचार मिल सके और वे स्वस्थ जीवन जी सकें. साथ ही श्री वेंकटेश्वर सीओओ, अभिषेक चौरसिया डिप्टी सीएओ और डॉ विवेक जोशी मेडिकल सुपरिटेंडेंट मौजूद रहे.

महिलाओं के हृदय स्वास्थ्य पर की चर्चा

शहर में जुटे देश-विदेश के विशेषज्ञ

इंदौर. महिलाओं के हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और कार्डियोवैस्कुलर चिकित्सा में ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वूमेंस कार्डियक केयर कॉन्फ्रेंस 2026 का 18वां संस्करण मेरियट होटल में आयोजित किया जा रहा है. सम्मेलन का आयोजन वूमंस इन कार्डियोलॉजी एंड रिलेटेड साइंस एसोसिएशन द्वारा किया गया है. इस दो दिन की कॉन्फ्रेंस में भारत और विदेश से 500 से ज़्यादा जाने-माने कार्डियोलॉजिस्ट हिस्सा ले रहे हैं.

कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह में सांसद शंकर लालवानी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए. उन्होंने कहा कि इंदौर न सिर्फ़ देश का सबसे साफ़ शहर है, बल्कि एक प्रोग्रेसिव शहर भी है जो हेल्थ, साइंस और मेडिकल इनोवेशन को बढ़ावा देता है. इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च की एडिशनल डायरेक्टर जनरल डॉ. संघमित्रा पाती ने हेल्थकेयर सर्विसेज़ को मज़बूत करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया और आयुष्मान भारत जैसी नेशनल स्कीम्स की अहम भूमिका पर ज़ोर दिया. विशेष अतिथि के रूप में अभिनेत्री और क्लासिकल डांसर सुधा चंद्रन ने अपनी ज़िंदगी के संघर्षों और जीत की प्रेरणा देने वाली कहानी साझा की और महिलाओं को आत्मविश्वास और पक्के इरादे के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. कॉन्फ्रेंस की ऑर्गनाइज़र और विनकार्स की प्रेसिडेंट, डॉ. सरिता राव ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य दुनिया भर के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर शोध, ज्ञान साझा करने और महिलाओं में हृदय रोगों की रोकथाम व उपचार को मजबूत करना है.

एक नजर में | **सानंद न्यास के मंच पर मराठी नाटक का धूम धड़ाके के साथ मंचन**

धमाल कॉमेडी नाटक साबित हुआ शिकायला गेलो एक

इंदौर. सानंद न्यास के पांच दशक समूहों के लिए मराठी नाटक शिकायला गेलो एक का सफल मंचन खंडवा रोड स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में प्रारंभ हुआ.

मराठी रंगमंच पर पारिवारिक हास्य नाटकों की परंपरा हमेशा से लोकप्रिय रही है. इसी परंपरा में हाल के दिनों में चर्चा में आया नाटक है प्रशांत दामले की 'गौरी' निर्माण संस्था का 'शिकायला गेलो एक'. लेखक और निर्देशक अद्वैत दादरकर ने इस नाटक के माध्यम से हल्के-फुल्के हास्य के जरिए परिवार के रिश्तों, पीढ़ियों के बीच विचारों के अंतर और 'सीखने' की प्रक्रिया पर दिलचस्प टिप्पणी की है. दरअसल, यह नाटक द.मा. मिरासदार की कहानी व्यंकूची शिकवणी के आधार पर लिखा गया है. बहरहाल,यह नाटक केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जीवन के कुछ सरल लेकिन महत्वपूर्ण अर्थ भी सामने लाता है. नाटक की कहानी एक मध्यमवर्गीय परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है. जीवन के एक पड़ाव पर जब कोई व्यक्ति कुछ नया सीखने का निर्णय लेता है, तो घर के अन्य सदस्यों की प्रतिक्रियाएं, उनसे पैदा होने वाली गलतफहमियां और मज़ेदार परिस्थितियां

नाटक को आगे बढ़ाती हैं. पीढ़ियों के बीच का 'जनरेशन गैप' और हर किसी का दूसरे को कुछ न कुछ सिखाने का स्वभाव इस नाटक में हास्यपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया है. साधारण परिस्थितियों से उत्पन्न होने वाला सहज और स्वाभाविक हास्य इस नाटक की सबसे बड़ी विशेषता है. कुल मिलाकर, 'शिकायला गेलो एक' ऐसा नाटक है जो दर्शकों को भरपूर हँसी देता है और साथ ही परिवार के रिश्तों की बारीकियों तथा जीवन भर चलने वाली सीखने की प्रक्रिया की ओर ध्यान आकर्षित करता है.

भूमिकाओं को ईमानदारी से निभाया

नाटक का सबसे मजबूत स्तंभ निस्संदेह प्रशांत दामले हैं. मराठी रंगमंच पर उनकी कॉमिक टाइमिंग प्रसिद्ध है और इसका प्रभाव इस नाटक में भी स्पष्ट दिखाई देता है. उनका सहज अभिनय, संवाद अदायगी और दर्शकों के साथ स्थापित होने वाला सीधा जुड़ाव नाटक को लगातार जीवंत बनाए रखता है. ऋषिकेश शेलार और सुशील इनामदार ने भी अपनी-अपनी भूमिकाओं को पूरी ईमानदारी से निभाया है. विशेष रूप से ऋषिकेश शेलार का स्वाभाविक अभिनय और संवादों में सहजता ध्यान आकर्षित करती है. नाटक की महिला पात्रों को अनघा भगरे और समृद्धि मोहरीर ने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है. उनकी भूमिकाओं से कहानी को एक भावनात्मक आयाम मिलता है और नाटक केवल हास्य तक सीमित नहीं रहता. चिन्मय माहुरकर की भूमिका भी नाटक में एक अलग ऊर्जा और गति लेकर आती है. सभी कलाकारों के बीच का तालमेल इस नाटक की बड़ी ताकत है.